दैनिक भास्कर
लुधियाना भास्कर 04-12-2020

कोरोना का असर • शादियों में तिलक और गुलाब के साथ नहीं, मास्क-सेनेटाइजर से किया जा रहा बारातियों का स्वागत

अब मास्क रस्म भी शामिल, दस्ताने-शील्ड वाले वेटर परोस रहे खाना

मनप्रीत कौर | लुधियाना

अब कोरोना केस फिर से बढ़ने रहे हैं। इस दौरान किसी भी बड़े सामूहिक आयोजन से बचने की सलाह दी जा रही है। ऐसे में लोग शादियों के आयोजन को लेकर भी सतर्क हैं। इनमें कोरोना से बचने के सभी उपाय आजमाए जा रहे हैं। इससे कोरोनाकाल में शादियों की तस्वीर बदल गई है। बारातियों और घरातियों की भीड़ पहले जैसी नहीं दिख रही और न ही पहले जैसा मिलना-मिलाना हो रहा है। संक्रमण से बचाव की खातिर मेहमान भी कम बुलाए जा रहे हैं। खाने की स्टॉल की संख्या सीमित हो गई है। बैंड-बाजा की टीम भी छोटी हो गई है। ऐसे ढेरों बंधनों के बावजूद वेडिंग प्लानर और होटल संचालक

दुल्हन को मास्क पहनाता दूल्हा।

शादियों को यादगार बनाने में जुटे हैं। कोरोना के कारण विवाह की रौनक पर कुछ असर तो जरूर हुआ है, लेकिन कोरोना के बचाव की तैयारी भी विवाह की तैयारियों में शामिल किए हुए हैं।

सोशल डिस्टेंसिंग के साथ लगाए जा रहे कई राउंड टेबल

रेडिसन ब्लू के जनरल मैनेजर अभय कुमार ने बताया कि कोरोना से बचाव के लिए हर शादी समारोह में वेटर मास्क, दस्ताने लगाकर खुद ही खाना परोस रहे हैं। बुफे सिस्टम में भी टेबल के पास ही वेटर खड़े रहते हैं, जो मेहमानों को उनकी पसंद के अनुसार खाना परोसते हैं। इससे शादी समारोह में संक्रमण की आशंका न के बराबर रहती है। इसके अलावा अब शादियों में मेहमानों के बैठने के लिए एक दिशा में कुर्सियां नहीं लगाई जा रहीं। इसकी जगह सोशल डिस्टेंसिंग के साथ कई राउंड टेबल लगाए जा रहे हैं।

मैरिज हॉल में चिल्ड्रन सेंटर गायब: मैरिज हॉल में पहले बच्चों के मनोरंजन के लिए चिल्ड्रन सेंटर बनाए जाते थे, जहां कई तरह के झूलों के अलावा खेल का इंतजाम होता था, लेकिन अब कोरोना से बचाव को चिल्ड्रन सेंटर नहीं बनाए जा रहे। इसका मकसद है कि बच्चे एक जगह इकट्ठा न हों। वहीं, शादी-विवाह के रीति-रिवाजों की फेहरिस्त में अब वरमाला के साथ ही मास्क रस्म भी शामिल हो गई है, जिसमें दूल्हा-दुल्हन एक-दूसरे को मास्क पहनाते हुए सुरक्षा का वचन लेते हैं। इसके साथ ही आए हुए मेहमानों को मास्क लगाने का भी संदेश दिया जाता है।

• **वेलकम गर्ल्स कर रहीं थर्मल स्कैनिंग:** पहले जहां शादी समारोह में वेलकम गर्ल्स हिंदुस्तानी परिवेश का पालन कर तिलक लगाकर मेहमानों को गुलाब भेंट करती थीं। अब इसकी जगह थर्मल स्कैनिंग और सेनेटाइजर ने ले ली है। इस औपचारिकता के बिना मैरिज हॉल में एंट्री संभव नहीं है।